

Newton's Academy

मराठी अक्षरभारती

वेळ: ३ तास एकूण गुण: ८०

कृतिपत्रिकेसाठी सूचनाः -

- (1) सूचनेनुसार आकलनकृती व व्याकरण यांमधील आकृत्या काढाव्यात.
- (2) आकृत्या पेननेच काढाव्यात.
- (3) उपयोजित लेखनातील कृतींसाठी (सूचना, निवेदन), आकृतीची आवश्यकता नाही. तसेच या कृती लिहून घेऊ नयेत.
- (4) विभाग-5 उपयोजित लेखन प्र.5 (अ) (2) सारांशलेखन या घटकासाठी गद्य विभागातील प्र.1 (इ) अपठित उतारा वाचून त्या उताऱ्याचा सारांश लिहावयाचा आहे.
- (5) स्वच्छता, नीटनेटकेपणा व लेखननियमांनुसार लेखन यांकडे जाणीवपूर्वक लक्ष द्यावे.

विभाग १ – गद्य

पठित गदच

प्र.1.(अ) उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.

1. कोण ते लिहा.

[2]

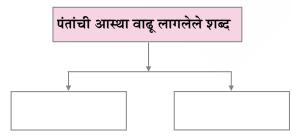
- i. नेहमी तिरके बोलणारे -
- ii. बटाटा सोडण्याचा सल्ला देणारे """"

"दोन महिन्यांत पन्नास पौंड वजन कमी करून दाखवीन तर खरा!" अशी भीष्मप्रतिज्ञा करून मी आहारशास्त्रावरच्या पुस्तकात डोके घालू लागलो. प्रोटीनयुक्त पदार्थ, चरबीयुक्त द्रव्ये वगैरे शब्दांबद्दलची माझी आस्था वाढू लागली . साऱ्या ताटांतले पदार्थ मला न दिसता नुसत्या 'कॅलरीज' मला दिसू लागल्या आणि आनंदाची गोष्ट अशी, की वजन उत्तरवण्याच्या शास्त्रात पारंगत झालेले तज्ज्ञ मला रोज डझनवारीने भेटू लागले. इतकेच काय, परंतु ज्या आमच्या चाळीतल्या लोकांनी माझ्या उपासाची अवहेलना केली होती, त्यांनीच मला 'डाएटचा' सल्ला दिला. उदाहरणार्थ - सोकाजी त्रिलोकेकर.

"तुला सांगतो मी पंत, 'डाएट' कर. बटाटा सोड. बटाटचाचं नाव काढू नकोस."

"हो! म्हणजे 'कुठं राहता?' म्हणून विचारलं तर नुसतं 'चाळीत राहतो' म्हणा. 'बटाट्याची चाळ' म्हणू नका. वजन वाढेल! खी: खी: खी:!" जनोबा रेगे या इसमाला काय म्हणावे हे मला कळत नाही. नेहमी तिरके बोलायचे म्हणजे काय? पण सोकाजींनी त्याला परस्पर जामून टाकले. "ए इडिअट! सगळ्याच गोष्टींत जोक काय मारतोस नेमी? मी सांगतो तुला पंत — तू बटाटा सोड."

2. कृती पूर्ण करा.



3. पंतांना उपासाबाबत मिळालेल्या विविध सल्ल्यांचे वर्णन तुमच्या शब्दांत लिहा.

[3]



प्र.1. (आ) उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.

- 1. का ते लिहा. [2]
 - i. डॉ. माशेलकर यांना माशेल हे गाव सोडावे लागले, कारण """"
 - ii. 'शाळेत कसा जाऊ? ' असा प्रश्न डॉ. माशेलकर यांच्यापुढे उभा राहिला, कारण '''''''

आमचे मूळ गाव दक्षिण गोव्यातील माशेल. माझे बालपण तिथेच गेले. माझे मामाही याच गावातले. तिथल्या एका मैदानावर खेळल्याच्या आणि पिंपळकट्ट्यावर बसून निवांतपणा अनुभवल्याच्या पुसटशा आठवणी माझ्या मनात अधूनमधून वाऱ्याच्या लहरीसारख्या येत असतात. माझ्या वयाच्या सहाव्या वर्षी माझे वडील वारले आणि आम्हांला उदरिनर्वाहासाठी आमचे माशेल हे गाव सोडावे लागले. मी आणि माझी आई मुंबईत येऊन पोहोचलो. गिरगावातल्या खेतवाडीतील देशमुख गल्लीमध्ये 'मालती निवासा'तील पहिल्या माळ्यावर छोट्याशा खोल्यांमध्ये आम्ही मायलेक राहत होतो. आर्थिक परिस्थिती पूर्णपणे खालावलेली. दारिद्र्याशी संघर्ष करणारी माझी अल्पशिक्षित आई आणि शिक्षणासाठी आसुसलेला; पण कोणतीच फी भरणे शक्य नसल्याने 'शाळेत कसा जाऊ?' असे प्रश्निचन्ह घेऊन वावरणारा मी. त्यावेळचं वातावरण हे असं होतं!

पण माझ्या आईनं धीर सोडला नाही. ती खचली नाही. वेगवेगळी कष्टाची कामं ती करत होती. त्यातच माशेलहून मुंबईत आलेले माझे मामाही मदतीला आले. त्यांच्यामुळे मला खेतवाडीतील प्राथमिक शाळेत प्रवेश मिळू शकला. ही शाळा महापालिकेची होती. माझ्याप्रमाणेच शाळेचीही परिस्थिती बेताचीच होती; पण इथले शिक्षक मात्र मनानं खूप श्रीमंत होते. पायात चप्पलही घालायला नव्हती अशा परिस्थितीत माझी शाळा सुरू होती.

2. आकृती पूर्ण करा.

[2]

डॉ. माशेलकर यांच्या माशेल गावातील आठवणी



3. स्वमत:

शालेय विद्यार्थ्याच्या भूमिकेतील डॉ. माशेलकर यांचे तुम्हांला जाणवलेले गुणविशेष सोदाहरण लिहा.

नेले गुणविशेष सोदाहरण लिहा. [3]

अपठित गद्य

प्र.1.(इ) उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.

1. योग्य जोड्या लावा.

[2]

| | 'अ' गट | 'ब' गट |
|------|--------|--------|
| i. | सूर्य | पाणी |
| ii. | मेघ | वस्त्र |
| iii. | शेतकरी | प्रकाश |
| iv. | विणकर | धान्य |

संयमाला तुच्छ मानू नका. तुमच्या विकासासाठी तो आहे. समाजाच्या हितासाठी तो आहे. आपण संयम पाळला नाही, तर आपले काम नीट होणार नाही. काम नीट झाले नाही म्हणजे समाजाचे नुकसान होणार. आपण केवळ आपल्या स्वत:साठी नाही. आपण समाजासाठी आहोत, याची जाणीव आपणांस हवी. हा आपला देह, हे आपले जीवन समाजाचे आहे. आपले पोषण सारी सृष्टी करीत आहे. सूर्य प्रकाश देत आहे, मेघ पाणी देत आहेत, वृक्ष फुले-फळे देत आहेत, शेतकरी धान्य देत आहे, विणकर वस्त्र देत आहे. आपण या सर्व सजीव-निर्जीव सृष्टीचे आभारी आहोत. यासाठी हे आपले जीवन त्यांच्या सेवेत अर्पण करणे हे आपले काम आहे.

एका शब्दात उत्तरे लिहा. [2] आपल्या विकासासाठी आवश्यक असलेला – आपले पोषण करणारी ii. विभाग २ - पद्य

कवितेच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा. प्र.2.(अ)

ii.

चौकटी पूर्ण करा. 1. मुळावर घाव घातले; तरी मुकाट सहन करणारे i. अलगद उतरणारे थेंब —

> झाड बसते ध्यानस्थ ऋषिसारखं मौन व्रत धारण करून तपश्चर्या करत... पक्षी झाडांचे कुणीच नसतात तरीही झाड त्यांचं असतं मुळावर घाव घातला तरी झाड मुकाट सहन करते झाडांच्या पानावरून वहीच्या पानावर अलगद उतरतात दवांचे टपोरे थेंब झाडाकडे टक लावून पाहिलं तर शरीरभर विरघळतो हिरवा रंग रक्त होते क्षणभर हिरवेगार आयुष्य होतं नुकत्याच खुडलेल्या फुलासारखं टवटवीत झाडाचे बाहु सरसावलेले असतात मुसाफिराना कवेत घेण्यासाठी पानझडीनंतर झाड पुन्हा नवीन वस्त्र धारण करतं नव्या नवरीसारखं झाडाला पालवी फुटल्यावर फुटते शरीरभर पालवी अन झटकली जाते मरगळ पक्ष्यांच्या मंजुळ नादात झाडाचंही जीवनाचं एक संथ गाणे दडलेले असते हसावं कसं सळसळत्या पानासारखं मुळावं मुरावं कसं तर? झाडासारखं घट्ट पाय रोवीत जगावं कसं तर? हिरवंगार झाडासारखं रोजचं चिंतन करावं कसं तर झाडासारखं!

आकृती पूर्ण करा.

झाडाकडे टक लावून पाहिल्यानंतर घडणाऱ्या गोष्टी

[2]

[2]



| | 3. | प्रस्तुत कवितेतील खालील शब्दांचा अर्थ लिहा. | | | | | | |
|---|---|--|-----|--|--|--|--|--|
| | | i. मुकाट — ii. मुसाफिर — | | | | | | |
| | | iii. संथ – iv. मौन व्रत – | | | | | | |
| | 4. काव्यसौंदर्यः | | | | | | | |
| | 'जगावं कसं तर? हिरव्या झाडासारखं' या ओळीतील अर्थसौंदर्य स्पष्ट करा. | | | | | | | |
| प्र.2.(| эт) | खालील दोन कवितांपैकी कोणत्याही एका कवितेसंबंधी दिलेल्या मुद्द्यांच्या आधारे कृती सोडवा. | | | | | | |
| я.2.(| 511) | | | | | | | |
| | | मुद्दे 'अंकिला मी दास तुझा' किंवा 'स्वप्न करू साकार' | | | | | | |
| | | 1. प्रस्तुत कवितेचे कवी / कवियत्री | [1] | | | | | |
| | | 2. प्रस्तुत कवितेचा विषय | [1] | | | | | |
| | | 3. प्रस्तुत ओळींचा सरळ अर्थ लिहा. 'अग्निमाजि पडे बाळू। 'हजार आम्ही एकी बळकट माता धांवें कनवाळु।।' सर्वांचे हो एकच मनगट।।' | [2] | | | | | |
| | | माता धांवें कनवाळू।।' सर्वांचे हो एकच मनगट।।' 4. प्रस्तुत कविता आवडण्याचे वा न | [2] | | | | | |
| | | आवडण्याचे कारण | [2] | | | | | |
| | | 5. प्रस्तुत शब्दांचा अर्थ लिहा. i. काज — i. विभव — | [2] | | | | | |
| | | ii. सर्वे – ii. मंगल – | | | | | | |
| | | iii. पाइस – fii. श्रम – | | | | | | |
| | | iv. धेनू – iv. हस्त – | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | विभाग ३ – स्थूलवाचन | | | | | | |
| 3. | खाली | लपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा. | [6] | | | | | |
| | (1) | टीप लिहाः व्युत्पत्ती कोशाचे कार्य. | | | | | | |
| (2) 'स्काय इज द लिमिट' ही परिस्थिती केव्हा निर्माण होऊ शकते हे 'मोठे होत असलेल्या मुलांनो' या | | | | | | | | |
| | | आधारे लिहा. | | | | | | |
| | (3) | 'थोड्याशा पाण्यावर कसे वाढावे याचा नमुना म्हणजे कॅक्टस!' या विधानाची यथार्थता स्पष्ट करा. | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | | विभाग ४ – भाषाभ्यास | | | | | | |
| 4. | (अ) | व्याकरण घटकांवर आधारित कृती. | | | | | | |
| | (1) | खालील वाक्यांचा प्रकार ओळखा. | | | | | | |
| | i. तुझ्या शाळेत मराठी दिन साजरा करतात का?ii. रिनंगपेक्षादेखील दोरीवरच्या उड्या मारा. | | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | (2) | कंसातील सूचनेनुसार वाक्यरूपांतर करा. | | | | | | |
| | () | i. नेहमी खरे बोलावे. (नकारार्थी करा.) | [2] | | | | | |
| | | ii. तुमची ऊर्जाशक्ती एकत्र करा. (विधानार्थी करा.) | | | | | | |
| | | | | | | | | |
| | (3) | खालील वाक्प्रचारांचा अर्थ सांगून वाक्यात उपयोग करा (कोणतेही दोन): | [4] | | | | | |
| | | i. उत्साहाला उधाण येणे ii. गलका करणे iii. झोकून देणे | | | | | | |



5.

| (आ) | | क घटकांवर आ | धारित कृती. | | | | |
|---|------------------------------------|-----------------------|--|--------------------------|-----|--|--|
| (1) | शब्दसंपत्ती: | | | | | | |
| | (1) | खालील शब्दां | चे समानार्थी शब्द लिहा. | | [1] | | |
| | | i. पाऊस | = ii. म | धुर = | | | |
| | (2) | खालील शब्दां | चे विरुद्धार्थी शब्द लिहा. | | [1] | | |
| | | i. सुरुवात | × ii. स् | नुती × | | | |
| | (3) | शब्दसमूहाबद् | इल एक शब्द लिहा. | | [1] | | |
| | | पायात चप्पल न | घालता | | | | |
| | (4) | वचन बदला. | | | [1] | | |
| | | i. गोष्ट | ii. क | ल्पना | | | |
| (2) |) लेखननियमांनुसार लेखन: | | | | | | |
| | खार्ल | लि वाक्ये लेखन | नियमांनुसार लिहा. | | [2] | | |
| | i. | कवीवर्य नारायण | ा सुर्वे खुप सभा, संमेलने गाजवत. | | | | |
| | ii. | | | | | | |
| (3) | विराम | ाचिन्हे : | | NA | | | |
| | खार्ल | लि वाक्यांत योग | य विरामचिन्हांचा उपयोग करा. | | [2] | | |
| | i. | अरे पण चिठ्ठी | मराठीतून आहे. | | | | |
| | ii. | "काका हे शास्त्र | • (| | | | |
| | 11. | | | | | | |
| | | | 🕻 विभाग ५ – उपयो | जित लेखन 🕽 | | | |
| (27) | | | | <u> </u> | 10 | | |
| | खाल पत्रले | लि कृती सोडवा स्टर | | | [6] | | |
| (1) | | | । व त्याखालील कोणतीही एक व | कती मोडवा | | | |
| | - | | | | | | |
| | | | जीवनज्योती | • | | | |
| | | | नांदः | | | | |
| | | | कथाकथन स्प | र्घा पारितोषिक | | | |
| | | | वितरण | | _ | | |
| | | दि. 22 | 2 जुलै | 🤇 वेळ : दुपारी 4 | वा. | | |
| | प्रमुख पाहुणे – मा. श्री. अजय लागू | | | | | | |
| अध्यक्ष : मा. श्री. उत्तम कांबळे | | | | | | | |
| | ली माने | | | | | | |
| | विद्यार्थी प्रतिनिधी या नात्याने | | | | | | |
| | | | | | | | |
| किंवा पारितोषिक प्राप्त । पारितोषिक वितरण | | | | | | | |
| | | | विद्यार्थी सुहास/ सुनीता | समारंभासाठी अध्यक्ष | | | |
| | | | देसाई, यांचे अभिनंदन | म्हणून मा. उत्तम कांबळे | | | |
| | | | करणारे पत्र लिहा. | यांना उपस्थित राहण्याची | | | |
| | | | | विनंती करणारे पत्र लिहा. | | | |
| | | | I and the second | 1 | | | |



किंवा

(2) सारांशलेखनः

विभाग 1 गद्य (इ) (प्रश्न. क्र. 1 - इ) मधील अपठित उताऱ्याचा 1/3 एवढा सारांश तुमच्या शब्दांत लिहा.

(आ) खालीलपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा.

[10]

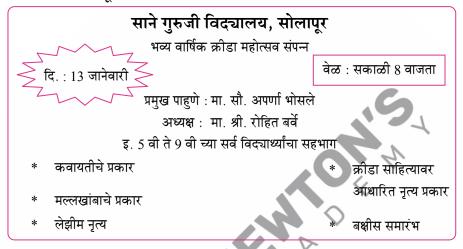
(1) जाहिरात लेखन:

पुढील विषयावर जाहिरात तयार करा.

शाळेतर्फे मे महिन्याच्या सुट्टीत विद्यार्थ्यांसाठी आयोजित केलेल्या चित्रकला वर्गाची जाहिरात तयार करा.

(2) बातमीलेखनः

खालील निवेदन वाचून बातमी तयार कराः



(3) कथालेखनः

खालील मुद्द्यांच्या आधारे कथा लिहा.

आंतरशालेय क्रीडास्पर्धा – धावण्याची स्पर्धा – शाळेतर्फे वरदचा सहभाग – वरद उत्तम धावपटू – सराव – उत्तम धावपटू तनयशी स्पर्धा – प्रत्यक्ष स्पर्धा – चुरशीची स्पर्धा – अचानक तनयचा पाय मुरगळणे – स्पर्धा सोडून वरदचे मदतीला धावणे – स्पर्धा हरूनही वरदचे कौतुक –

(इ) लेखनकौशल्यः

खालील लेखनप्रकारांपैकी कोणतीही एक कृती सोडवा.

[8]

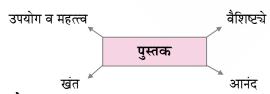
(1) प्रसंगलेखनः

खालील मुद्द्यांच्या आधारे पावसाळ्यातील एका दिवसाचा तुम्ही घेतलेला अनुभव तुमच्या शब्दांत लिहा.



(2) आत्मकथनः

दिलेल्या मुद्दचांच्या आधारे चौकटीतील घटकाचे आत्मकथन लिहा.



(3) वैचारिक लेखनः

'युग संगणकाचे' या विषयावर खालील मुद्द्यांच्या आधारे तुमचे विचार लिहा. काळाची गरज – महत्त्व – फायदे/तोटे – सदुपयोग.